>

Title: Need to curb the increasing incidents of female feoticide in the country.

श्री जयवंत गंगाराम आवले (लातूर) ः देश में बालिका भ्रूण हत्या की समस्या ने गंभीर रूप ले लिया है। सभी राज्यों के गृह विभागों को इस मुद्दे पर ज्यादा संवेदनशील होना चाहिए । अभी यह सवाल छोटा जान पड़ता है लेकिन दीर्घकाल में यह विकराल रूप ले लेगा और फिर एक सामाजिक आपदा की स्थिति पैदा हो जाएगी। बालिका भ्रूण हत्या की खासकर शिक्षित और समाज के उच्च तबके में लगातार प्रवृत्ति अधिक देखी जाती है । हर वर्ष लिंग परीक्षण तकनीक के माध्यम से 10 लाख बालिका भ्रूणों की हत्या कर दी जाती है ।

इस घोर आपराधिक गतिविधि को रोकने के लिए केन्द्र सरकार को सख्त से सख्त कदम उठाना चाहिए ।

पंजाब, हरियाणा, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे हमारे सबसे समृद्ध और साक्षर प्रदेशों में लिंगानुपात में भारी कमी पाई गई है तथा दिल्ली, चण्डीगढ़ और अहमदाबाद जैसे बड़े और आधुनिक शहर भी इससे मुक्त नहीं है ।

सरकार को चाहिए कि सामाजिक सुधारों के जरिए ऐसी रूढ़ियों को जड़ से उखाड़कर फेंक दिया जाए इसके लिए सबसे पहले माता-पिता की मानसिकता में बदलाव लाने हेतु प्रयत्न करने होंगे। साथ ही सरकार को लैंगिक पक्षपात के आधार पर गर्भपात कराने वाले क्लीनिकों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के विरूद्ध भी कड़े कदम उठाने चाहिए ।